सीखो

फूलों से नित हँसना सीखो
भौंरों से नित गाना ।
तरु की झुकी डालियों से नित
सीखो शीश झुकाना ।

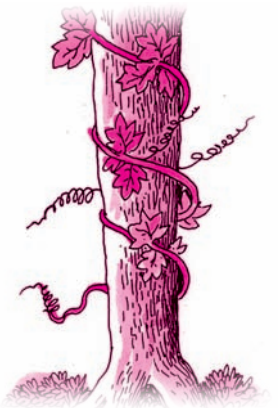

सूरज की किरणों से सीखो
जगना और जगाना
लता और पे ड़ोंसे सीखो
सबको गले लगाना ।

दीपक से सीखो जितना हो
सके अँधेरा हरना
पृथ्वी से सीखो जीवों की
सच्ची सेवा करना।

जलधारा से सीखो आगे
जीवन–पथ पर बढ़ना
और धुएँ से सीखो हरदम
ऊँचे ही पर चढ़ना ।

सत्पुरुषों के जीवन से
सीखो चरित्र निज गढ़ना
अपने गुरु से सीखो बच्चो
उत्तम विद्या पढ़ना ।

–सोहनलाल द्विवेदी

शिक्षक के लिए :

शिक्षक छात्रों को बताएँगे कि प्रकृति के तत्व हमें कोई-न-कोई सीख देते हैं। हम उन्हें सीखें।

शिक्षक छात्रों को बताएँगे कि हम जीवन भर दूसरों के गुणों से कुछ-न-कुछ सीखते हैं। हम इन गुणों को अपनाकर महान बन सकते हैं।

शब्दार्थ :

शब्द	-	अर्थ
नित	-	रोज
भौंरा	-	भ्रमर
शीश-झुकाना	-	सिर नीचे करना
तरु	-	पेड़

शब्द	-	अर्थ
गले लगाना	-	प्रेम करना
अंधेरा	-	अंधकार, अज्ञान
सत्पुरुष	-	सत्पुरुष, महामानव

अनुशीलनी

१. निम्नलिखत प्रश्नों के उत्तर बताइए :

(i) हम किससे हँसना सीखेंगे ?

(ii) हम भौंरों से क्या सीखेंगे ?

(iii) सूरज की किरणों से हम क्या सीखेंगे ?

(iv) हम किससे अपना चरित्र गढ़ना सीखेंगे ?

प्रश्न २. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(i) वृक्ष की झुकी डालियों से हमें क्या सीखना चाहिए?

(ii) जगने की प्रेरणा हमें किससे मिलती है?

(iii) लता और पेड़ क्या सिखाते है?

(iv) दीपक से हम क्या सीखते हैं?

(v) जलधारा से हमें क्या सीखना चाहिए?

(vi) धुएँ से हम क्या सीखेंगे?

(vii) सत्पुरुष और गुरु से हमें क्या सीखना है?

प्रश्न ३. नीचे एक ओर सिखाने वालों के नाम और दूसरी ओर उनसे मिलने वाली सीखें दी गयी हैं। उनके सही जोड़े बनाइए।

(क)	(ख)
धुआँ	सबकी सेवा करना
फूल	आगे बढ़ना
लता और पेड़	ऊपर चढ़ना
भौंरा	गले लगाना
सूरज की किरण	हँसना
दीपक	गाना
पृथ्वी	अंधेरा हरना
जलाधारा	जगना और जगाना

प्रश्न ४.निम्नलिखित शब्दों के आगे और पीछे की जगहों पर सही शब्द भरिए:

(क) ..... शीश .....।

(ख) ..... सेवा .....।

(ग) ..... पथ पर .....।

(घ) ..... गुरु से सीखो .....।

(ङ) ..... विद्या .....।

भाषा कार्य :

प्रश्न ५. नीचे दिए गए शब्दों को विपरीत अर्थवाले शब्दों के साथ मिलाइए :

अंधकार	नीचा
अज्ञान	असत्
जीवन	पराया
अपना	प्रकाश
सत्	मृत्यु
ऊँचा	ज्ञान

संज्ञा के बदले आनेवाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं, जैसे-

राम सातवीं कक्षा में पढ़ता है।
वह रोज विद्यालय जाता है।
'वह' सर्वनाम है जो संज्ञा 'राम' के बदले आया है।

नीचे कुछ सर्वनाम दिए गए हैं।

मैं, हम, तू, आप, वह, यह, वे, ये, अपना, कौन, क्या, जो, कोई आदि।

अब हम सर्वनाम लगाकर वाक्य बनाना सीखें–

पुंलिंग

मैं	=	काम करता हूँ ।	कर रहा हूँ ।	कर रहा था ।	करूँगा ।
हम	=	काम करते हैं ।	कर रहे हैं ।	कर रहे थे ।	करेंगे ।
तू	=	काम करता है ।	कर रहा है ।	कर रहा था ।	करेगा ।
तुम	=	काम करते हो ।	कर रहे हो ।	कर रहे थे ।	करोगे ।
वह	=	काम करता है ।	कर रहा है ।	कर रहा था ।	करेगा ।
वे	=	काम करते हैं ।	कर रहे हैं ।	कर रहे थे ।	करेंगे ।

स्त्रीलिंग

प्रश्न ६. ऊपर के वाक्यों को स्त्रीलिंग में लिखिए :

मैं =
हम =

तू =

वह =

वे =

प्रश्न ७. वचन के अनुसार वाक्यों को बदलिए ।

(i) तू पढ़ता है । (ii) वे खाएँगे। (iii) मैं लिख रहा था ।

(iv) वह बोलेगा । (v) हम दौड़ेंगे ।

(शिक्षकों से अनुरोध है कि विद्यार्थियों को ऐसे विभिन्न सरल वाक्य बनाने में मदद करें ।)

प्रश्न ८. नीचे दिए गएउदाहरण के अनुसार खाली जगहें भरिए :

लिखना (खुद)	लिखाना (किसी दूसरे के द्वारा)
पढ़ना	
हँसना	
खेलना	
करना	
झुकना	

(दूसरे प्रकार की क्रियाओं को प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं ।)

आपके लिए काम:

१. इस कविता को कंठस्थ कीजिए ।

२. उगता हुआ लाल सूरज, नदी, जंगल, पेड़-पौधे, फूल, भौंरा आदि से एक सुंदर चित्र बनाइए । उसे कक्षा में दिखाकर बताइए कि हम किससे क्या सीख सकते हैं ।